Reference Re: Success of Chandrayan-3 Mission and other Achievements of our Nation in Space Sector

चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे राष्ट्र की अन्य उपलब्धियों के बारे में उल्लेख

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए पूरे देश को बधाई देते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। इन उपलब्धियों से प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित हुआ है और वैश्विक स्तर पर हमारे देश का कद बढ़ा है।

23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनकर हमने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता हमारे वैज्ञानिकों की अथक प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो निरंतर ब्रह्मांड के सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचने का प्रयास करते आए हैं। इस सदन के माध्यम से, मैं इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों और भारत के लोगों को बधाई देता हूं।

भारत विश्व कल्याण के लिए अपनी सफलताओं और उपलब्धियों को दूसरों के साथ साझा करने में विश्वास रखता है। इसलिए, हमने चंद्रयान-3 की सफलता को विश्व के वैज्ञानिक समुदाय और पूरी मानवता को समर्पित किया है। हमारे प्रज्ञान रोवर ने हमें चंद्रमा पर सल्फर, ऑक्सीजन, एल्युमीनियम, कैल्शियम, आयरन जैसे तत्वों की मौजूदगी सहित अन्य अमूल्य

जानकारी भेजी है, जिससे अंतरिक्ष के बारे में मानव ज्ञान में वृद्धि होगी और भावी अभूतपूर्व खोजों का मार्ग प्रशस्त होगा।

(1110/IND/SMN)

23 अगस्त को "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" के रूप में मनाना उचित होगा। यह एक ऐसा दिन होगा जो हमारी भावी पीढ़ियों को जीवन में उच्च महत्वाकांक्षाएं रखने और उन्हें साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। मैं चंद्रमा पर चंद्रयान-2 के पदचिह्न को 'तिरंगा पॉइंट', और चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल को 'शिव शक्ति पॉइंट' का नाम दिए जाने का स्वागत करता हूं। ये नाम हमारी सदियों पुरानी विरासत के सम्मान के साथ ही हमारी वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाओं और प्रयासों के प्रतीक हैं।

अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में प्रगति को जारी रखते हुए, चंद्रयान-3 की सफलता के 10 दिनों के भीतर, हमने 2 सितंबर 2023 को अपना पहला सौर मिशन, आदित्य-एल1 लॉन्च किया। यह सूर्य का अध्ययन करने वाला हमारा पहला वैज्ञानिक मिशन है जिससे सूर्य के भीतर होने वाली भौतिक प्रक्रियाओं और पृथ्वी पर उनके प्रभाव के बारे में हमारी जानकारी में वृद्धि होगी।

चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम होने के साथ ही भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी शक्ति के उदय और हमारी प्रतिभा और क्षमता के प्रतीक हैं। इन दोनों मिशनों में बड़ी संख्या में महिला वैज्ञानिकों ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जिससे नए भारत के निर्माण में महिलाओं के योगदान का पता चलता है। इन दोनों मिशनों को पूरी तरह से भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की जो बात दूसरों से अलग करती है, वह है - हमारी सभी परियोजनाओं की कम लागत । इससे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में हमारी बढ़ती क्षमताओं के साथ-साथ हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभा का भी परिचय मिलता है। इन उपलब्धियों के फलस्वरूप भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में अपनी जगह बना ली है।

ये सभी उपलब्धियाँ प्रधान मंत्री, माननीय श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के अथक प्रयासों से संभव हुई हैं। प्रधान मंत्री बनने से बहुत पहले से ही श्री मोदी की अंतरिक्ष में गहरी रुचि रही है और चंद्रयान मिशनों के साथ उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव रहा है। 2008 में जब चंद्रयान-1 का सफल प्रक्षेपण हुआ तो वह इसरो गए और व्यक्तिगत रूप से वैज्ञानिकों को बधाई दी। 2019 में, जब अंतिम समय में कुछ तकनीकी खराबी के कारण चंद्रयान-2 वांछित उद्देश्य प्राप्त नहीं कर पाया, तो उन्होंने हमारे वैज्ञानिकों के बीच जाकर उन्हें विफलताओं की चिंता किए बिना लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

कोविड-19 के समय, जब पूरी दुनिया संकट से जूझ रही थी, ऐसे में प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी इस विपदा का उपयोग अवसर के रूप में करते हुए अंतरिक्ष सहित देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए प्रयासरत रहे। उनके इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप हम विश्व अंतरिक्ष शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों में अंतरिक्ष स्टार्ट-अप की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। पिछले साल, निजी क्षेत्र में निर्मित पहले रॉकेट विक्रम - एस का प्रक्षेपण हुआ। युवा स्कूली छात्रों ने दो उपग्रह - आज़ादीसैट और आज़ादीसैट-2 लॉन्च किए। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें महत्वपूर्ण सफलताएँ मिली हैं जैसे पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण वाहनों का परीक्षण। एक बार में 104 उपग्रह लाँच करके हम विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं।

इन उपलब्धियों के परिणामस्वरूप, भारत के बारे में दुनिया का नजरिया बदला है और हमारे देश को लेकर विश्व समुदाय के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। यह प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने के कारण ही संभव हुआ है।

हमारा सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम उनके "जय विज्ञान, जय अनुसंधान" के आह्वान का सबसे बड़ा प्रमाण है। यह विज्ञान और नवाचार का सबसे अच्छा उदाहरण है जिससे स्टार्ट-अप, एमएसएमई को बढ़ावा मिला है, रोजगार अवसरों का सृजन हुआ है और हमारे विकास को गति मिली है। कृषि, मत्स्य पालन, संचार, नेविगेशन, राष्ट्रीय सुरक्षा सहित हमारी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में योगदान के माध्यम से, हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम देश के लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन ला रहा है।

हमें विश्वास है कि इन उपलब्धियों से हमारी आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। सभी देशवासी 2047 तक एक विकसित भारत के लिए मिलकर कार्य करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करेंगे।

मुझे विश्वास है कि यह प्रतिष्ठित सदन इन ऐतिहासिक उपलब्धियों में प्रधान मंत्री के नेतृत्व की सराहना करने, भारत के लोगों, विशेष रूप से युवाओं का उत्साहवर्धन करने तथा महिलाओं के योगदान के साथ ही सभी संगठनों और व्यक्तियों के योगदान की सराहना करने में मेरा साथ देगा।